Roll No : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–463

M.A. (Final) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - II

(आधुनिक राजस्थानी गद्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवंणा है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय स्यूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. नीचे लिख्या सगळा सवालां रा पडूत्तर देवणा है (**50** सबद हर सवाल)।

   (i) समाज री दीठ मांय 'मेवै रा रूंख ?' कुण बणयौड़ा है ?

   (ii) 'मेवै रा रूंख ?' माथै ओ सवालिया निसाण क्यूं है ?

(iii) किसी ही गोरमेन्ट व्हो, आपणो सिट्टो तो सदा सूं सिकतौ आयौ है—ओ कथन किण कह्यो अर क्यूं ?

(iv) तारेस रै सबदां मांय 'तास रो घर' कांई है ?

(v) 'तास रो घर' क्दूं नीं बसै ?

(vi) 'तास रौ घर' नाटक रौ खास विषय कांई है ?

(vii) 'रजपूताणी' कहाणी रौ मूल विसय कांई है ?

(viii) आज री राजस्थानी कहाणियां रा संपादक कुण है ?

(ix) 'अलेखूं हिटलर' रो सार कांई है ?

(x) 'बुगचौ' रौ साब्दिक अर्थ कांई है अर इण रा लिखारा कुण है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

नीचे लिख्यां सवालां मांय सूं **पांच** सवालां रा पडूत्तर देवणा है। (**200** सबद हरेक सवाल सारूं)।

2. नीचे लिख्यां गद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ :

भाभी! आजकल अेक सबद धूम मचा रयो है, वो सबद है नौकरी। उण सूं सागीड़ो बोर हुयोग्यो हूँ इण वास्तै पंडितजी रौ भासण सुणणनैं जाय रयौ हूँ। भासण में आसावां रा सुपना देख'र कीं तो हियै नै थ्यावस आवैलो .... मनड़ै री मोनोटोनी टूटैली!

3. नीचै लिख्या गद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ :

"एक-दो साल सूं नहीं, जुगां-सूं देस आजाद हुग्यौ तो ही, निश्चै ही थारै लारै लाग्योड़ौ कोई इसो भूत है जींवतो जागतो। बो थारै पसीनै रो मोती चुगै, न बो कदेई कसियो हाथ में लेवै, न हळ सार जाणै अर न उपाड़न-ऊपणन सार-मनै खाली ईरो ही दुख आवै।"

"भैंस थारी, चारो अर चारो थारो, दूध काढ़णो अर जयाणो बिलोणो थारो, पण बींरो माखण दूजै रो, थानै छाछ घालता ई दोरा।"

4. "............... म्हारी गिणती नीं तो संजोगण में है, नीं बिजोगण में। म्हांसू तो चकवा-चकवी चोखा ज़ो दूरा-दूरा बैठ बिजोग काढ़ै। म्हूं तो रात-दिन साथै खैती लगी ही विजोगण सूं भूंडी। वीरो बांध टूटग्यौ। जाय'र सोढा रै कांधा माथै हाथ मेल्यौ। जाणै बिजळी पड़ी व्है। दोई जणां कांपग्या। सोढो चेत्यौ-"

''चेतो कर रजपूताणी''...................

5. 'तास रो घर' नाटक रौ कथ्य अर शिल्प दोनू लीक सूं हट'र नुंवो है। इण कथन रै आलोक मांय नाटक री समीक्षा करो।

6. भंवर लाल 'भ्रमर' री कहाणी 'तगादो' रो सार लिखता थकां इण कणाणी रै संदेश नै उकेरो।

7. 'बुगचो' निबन्ध मंजूषा मांय सूं आपनै कौणसो निबन्ध सिरै लागै अर क्यूं ? प्रमाणां सागै खुलासो करावौ।

8. "'मेवै रा रूंख' रो सिनाथ किसानों रौ प्रतिनिधि पात्र है।" इण कथन रै आलोक मांय सिनाथ रौ चरित्र-चित्रण करावौ।

खण्ड-स प्रत्येक 20

नीचे लिख्या सवालां मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर देवणा है (सबद सीमा : **500** सबद)।

9. 'मेवै रा रूंख ?' अेक समस्यामूलक प्रतीकात्मक उपन्यास है। इस कथन री विरोळ करो।

10. 'तास रो घर' नाटक रौ नाटकीय तत्वां रै आधार माथै मूल्यांकन करावौ।

11. "'बुगचो' सबद रौ अरथ बतावतां थकां" पवाड़ां रा चित्रांम निबन्ध में बतायोड़ी देवी-देवतावां री 'पड़' री विसेसतावां बतावो।

12. 'भारत भाग्य विधाता' कुहाणी री मूळ-संवेदना ने उकेरो।